Meet

Alma Flor Ada

लेखिका अल्मा फ्लोर एडा का परिचय

अल्मा फ्लोर एडा कहती हैं, "मैं अपनी अधिकांश कहानियाँ लिखने से पहले उन्हें लोगों को ज़ोर से सुनाती हूँ. लोगों के सुनने और उनके सराहने से मुझे कहानियों लिखने की प्रेरणा मिलती है."

अन्य लोगों की कहानियाँ सुनने से भी अदा के लेखन पर भी प्रभाव पड़ा है. "सोने का सिक्का" कुछ हद तक उस कहानी पर आधारित है जो उनके दादाजी ने उन्हें तब सुनाई थी जब वो सिर्फ पंद्रह साल की थीं. कहानी में, एक अमीर आदमी को व्यापर के लिए दूर यात्रा करने, या अपनी मरणासन्न पत्नी के साथ रहने के बीच, चयन करना था. वो आदमी अल्मा फ्लोर एडा के दादा ही थे - और उन्होंने अपनी पत्नी के साथ रहने का फैसला किया जिसका उन्हें कभी कोई अफसोस नहीं हुआ. "धन कभी भी आपके जीवन पर हावी नहीं होना चाहिए," दादाजी ने एडा से कहा.

अल्मा फ्लोर एडा क्यूबा में पली बढ़ीं और अब कैलिफोर्निया में रहती हैं, जहां वो सैन फ्रांसिस्को विश्वविद्यालय में बहु-सांस्कृतिक शिक्षा की प्रोफेसर हैं. उन्होंने मेक्सिको, पेरू, अर्जेंटीना और स्पेन में प्रकाशित कई बच्चों की किताबें लिखी हैं.

सोने का सिक्का

अल्मा फ्लोर एडा

चित्र: नील वाल्डमैन

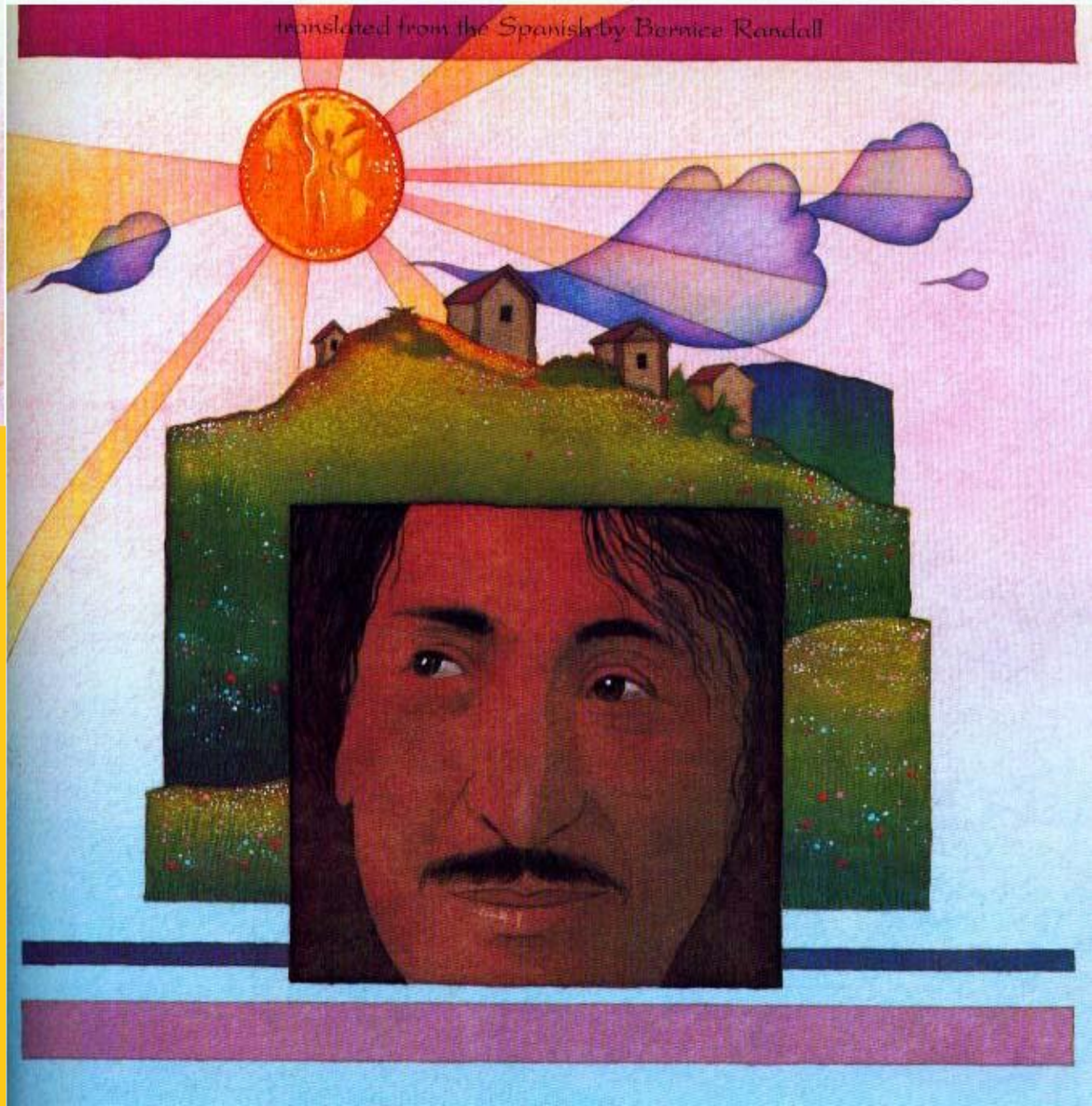

जुआन कई वर्षों से चोर था.

क्योंकि वो रात में चोरी करता था, इसलिए उसकी त्वचा पीली और बीमार पड़ गई थी. चूँकि वो अपना समय या इधर-उधर छिपकर बिताता था, इसलिए उसका शरीर थोड़ा मुड़ और ऐंठ गया था. और क्योंकि उसके पास, उसे हंसाने के लिए कोई दोस्त या रिश्तेदार नहीं था, इसलिए उसके चेहरे पर हमेशा गुस्सा रहता था.

एक रात, पेड़ों के बीच से चमकती रोशनी से आकर्षित होकर जुआन एक झोपड़ी के पास गया. वो दबे पांव दरवाजे तक पहुंचा और दरार से उसने एक बूढ़ी औरत को एक सादी, लकड़ी की मेज पर बैठे हुए देखा.

उसके हाथ में वो क्या चमक रहा था? जुआन को आश्चर्य हुआ. उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ : वो एक सोने का सिक्का था. तभी उसने महिला को अपने आप से यह कहते हुए सुना, "मैं शायद दुनिया की सबसे अमीर इंसान हूँ."

जुआन ने तुरंत निर्णय लिया कि उस महिला का सारा सोना उसका होना चाहिए. जुआन ने सोचा कि उसका काम तभी आसान होगा जब महिला झोपड़ी से चली जाएगी. इसलिए जुआन झाड़ियों में छिप गया और उसने अपने चोगे को झाड़ी के अंदर खींच लिया. फिर वो झोपड़ी में प्रवेश करने के लिए सही समय का इंतजार करने लगा.

जुआन आधी नींद में था जब उसने झोपड़ी के दरवाजे पर दस्तक और आग्रह भरी आवाजें सुनीं. कुछ मिनट बाद, उसने काले लबादे में लिपटी एक महिला को दो पुरुषों के साथ झोपड़ी से बाहर जाते हुए देखा.

यही मेरा मौका है! जुआन ने सोचा. फिर उसने ज़ोर लगाकर एक खिड़की खोली और खाली झोपड़ी में कूद गया.

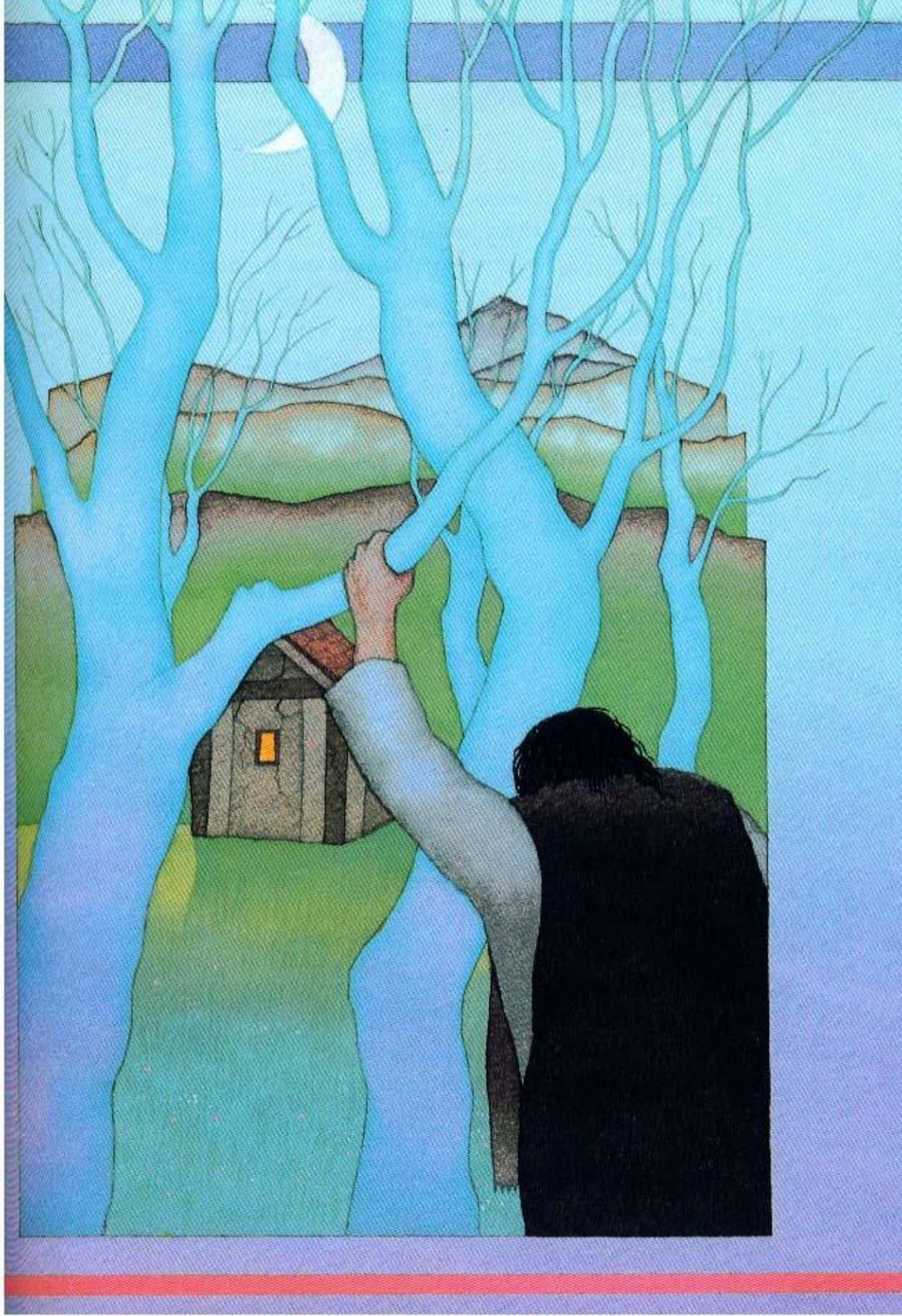

वो बड़ी उत्सुकता से सोने को चारों ओर खोजने लगा. उसने बिस्तर के नीचे देखा. सोना वहां नहीं था. उसने अलमारी में देखा. वहां सोना भी नहीं था. वो कहाँ हो सकता था? निराशा और गुस्से में जुआन ने छप्पर की छत को सहारा दे रही कुछ बल्लियां तोड़ डालीं.

आख़िर में उसे हार माननी पड़ी. झोंपड़ी में सोना नहीं था.

उसने सोचा, अब मैं बस इतना ही कर सकता हूं कि मैं उस बूढ़ी औरत को ढूंढूं और उससे पूछूं कि उसने सोना कहां छिपाया है.

इसलिए वो उस रास्ते पर चल पड़ा जिस रास्ते पर वो औरत और उसके दो साथी गए थे.

जिस समय जुआन नदी पर पहुंचा उस समय दिन का उजाला था. देहात पूरा वीरान था, लेकिन वहां नदी के किनारे, दो झोपड़ियाँ ज़रूर थीं. उसके पास ही, एक आदमी और उसका बेटा कड़ी मेहनत से आलुओं की खुदाई कर रहे थे.

जुआन को किसी अन्य इंसान से बात किए हुए काफी लंबा अरसा बीत चुका था. फिर भी उस महिला को ढूंढने की उसकी इच्छा इतनी प्रबल थी कि वो किसान के पास गया और उसने अपनी कर्कश और भारी आवाज में पूछा, "क्या आपने काले रंग का लबादा पहने एक छोटी, भूरे बालों वाली महिला को देखा है?"

"अच्छा, आप डोना जोसेफा को ढूंढ रहे हैं," युवा लड़के ने कहा. "हां, हमने उन्हें देखा है. हम आज सुबह ही उन्हें लेने गए थे, क्योंकि मेरे दादाजी को एक बुरी बीमारी हुई थी."

"वो महिला अब कहाँ है?" जुआन ने पूछा.

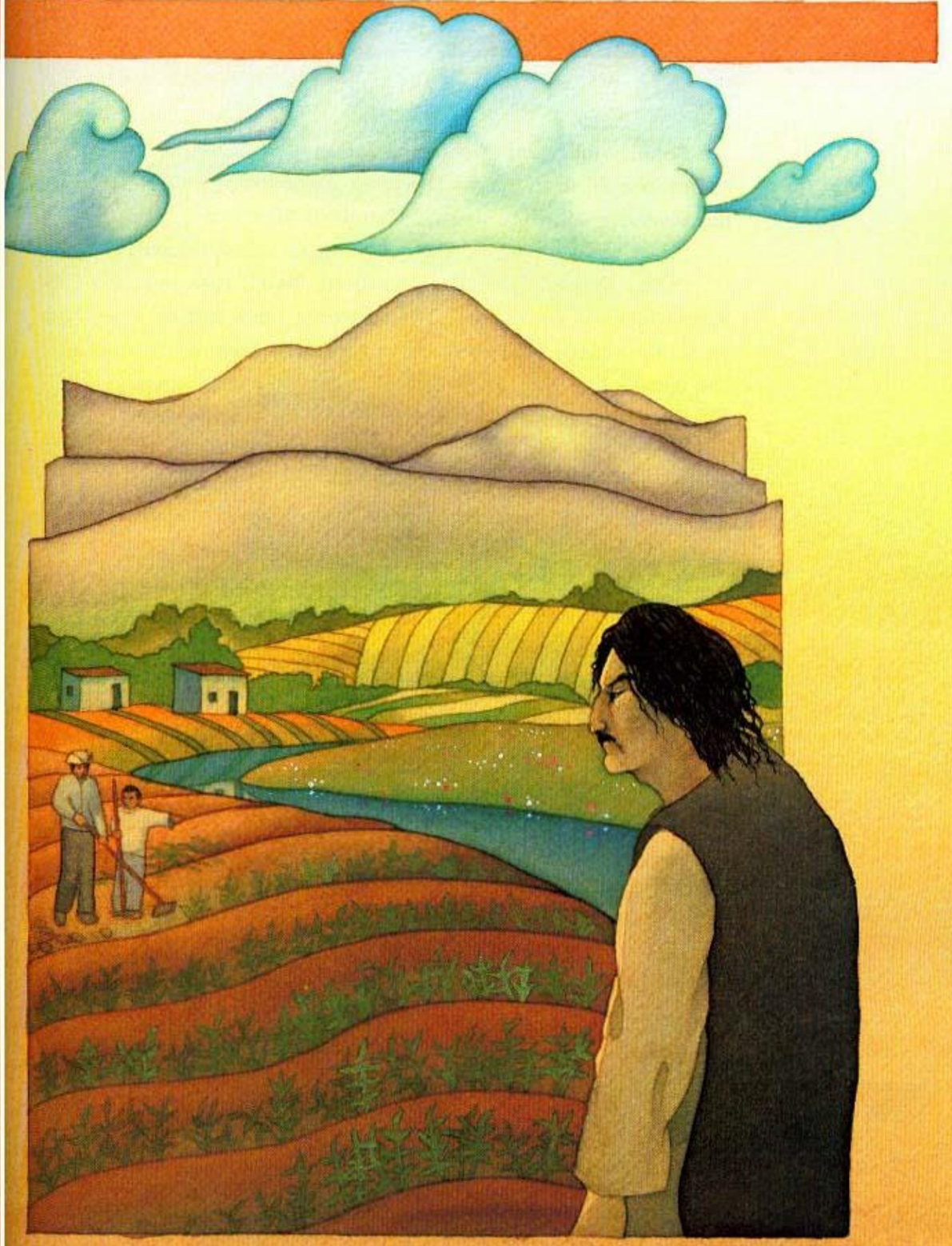

पिता ने मुस्कुराते हुए कहा, "वो तो काफी पहले ही जा चुकी हैं. नदी के पार से कुछ लोग उनकी तलाश में आए थे क्योंकि उनके परिवार में कोई व्यक्ति सख्त बीमार था."

"मैं नदी के उस पार कैसे जा सकता हूँ?" जुआन ने उत्सुकता से पूछा.

लड़के ने उत्तर दिया, "केवल नाव से."

चोर बुदबुदाया, "धन्यवाद." लेकिन वो वहां जल्दी जाने को अधीर था. इसलिए जुआन ने भी एक कुदाल पकड़ी और किसानों की मदद करने लगा. जितनी जल्दी हम ख़त्म करेंगे, उतनी जल्दी हम नदी पार कर लेंगे, उसने सोचा. और उतनी ही जल्दी मैं अपना सोना हासिल कर पाऊंगा!

जब अंत में उन्होंने अपनी कुदालें नीचे रखीं तब तक शाम हो चुकी थी. मिट्टी पलटी जा चुकी थी, और बांस की टोकरियाँ आलुओं से भरी हुई थीं.

"क्या अब आप मुझे नाव से नदी पार करा सकते हैं?" जुआन ने उत्सुकवश पिता से पूछा.

"ज़रूर," आदमी ने कहा. "लेकिन चलो पहले खाना खा लें."

जुआन घर पर बने भोजन का स्वाद और दूसरों के साथ खाना साझा करने वाली खुशी को लगभग भूल चुका था. जब उसने गहरे रंग की ब्रेड के आखिरी टुकड़े को, शोरबे के साथ खाया, तो अतीत में भोजन की कई यादें उसके ज़हन में कौंध गईं.

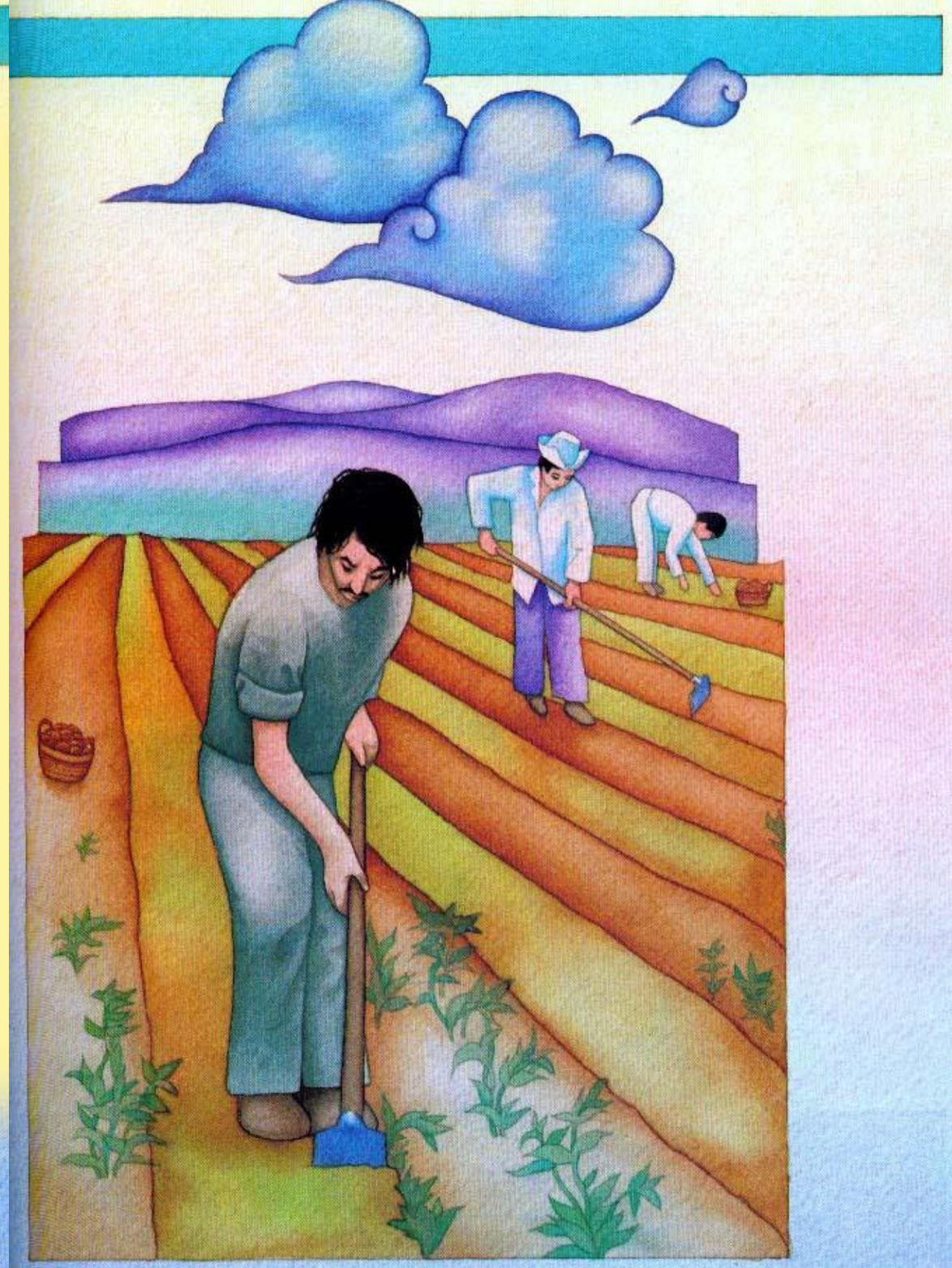

चंद्रमा की रोशनी में, पिता और पुत्र अपनी नाव को नदी के पार ले गए.

"डोना जोसेफ़ा कितनी अद्भुत चिकित्सक हैं!" लड़के ने जुआन को बताया. "दादाजी की तबीयत ठीक करने के लिए उन्होंने अपनी विशेष चाय का बस एक कप उन्हें पिलाया."

"हाँ, और केवल इतना ही नहीं," उसके पिता ने आगे कहा, "वो उनके लिए एक सोने का सिक्का भी लेकर आईं थीं."

जुआन स्तब्ध रह गया. डोना जोसेफ़ा के लिए लोगों की मदद करना शायद उनका पेश था. लेकिन लोगों को सोने के सिक्के - वो कैसे बांट सकती थीं?

जब तीनों अंततः नदी के दूसरे किनारे पर पहुँचे, तो उन्होंने एक युवक को उसकी झोपड़ी के बाहर बैठे देखा.

"यह आदमी डोना जोसेफ़ा की तलाश कर रहा है," पिता ने जुआन की ओर इशारा करते हुए उस युवक से कहा.

"अरे, वो तो कुछ देर पहले ही यहाँ से चली गईं हैं," युवक ने कहा.

"कहाँ?" जुआन ने तनावग्रस्त होकर पूछा.

"पहाड़ के दूसरी ओर," युवक ने रात के आकाश में पहाड़ों की अस्पष्ट रूपरेखा की ओर इशारा करते हुए उत्तर दिया.

"वो वहां कैसे गईं?" जुआन ने अपनी अधीरता को छिपाने की कोशिश करते हुए पूछा.

"घोड़े से," युवक ने उत्तर दिया. "कुछ लोग उन्हें लेने के लिए घोड़े पर सवार होकर आए थे क्योंकि वहां पर किसी का पैर टूट गया था."

"ठीक है, फिर, मुझे भी एक घोड़े की ज़रूरत होगी," जुआन ने तुरंत कहा.

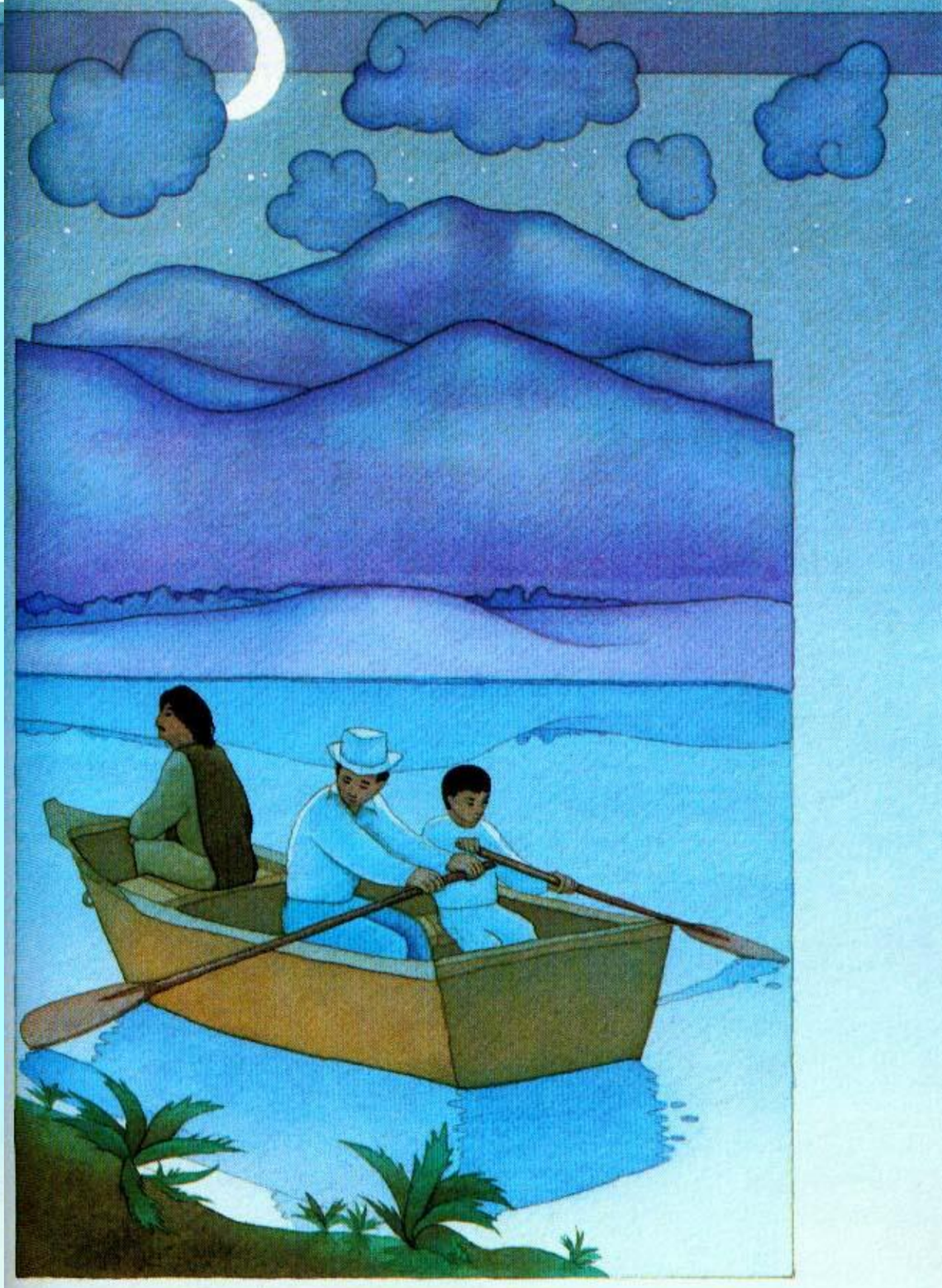

"कल," युवक ने धीरे से उत्तर दिया. "मैं तुम्हें वहां कल लेकर जा सकता हूं, या शायद उसके अगले दिन क्योंकि उससे पहले मुझे मकई की कटाई पूरी करनी है."

इसलिए, जुआन ने अगला दिन खेतों में बिताया. सूर्योदय से सूर्यास्त तक मेहनत करके वो पसीने-पसीने हो गया.

फिर भी उसके द्वारा चुनी गई मकई की प्रत्येक बाली उसे अपने खजाने के करीब लाती हुई प्रतीत हुई. और बाद में उस शाम, जब उसने मकई को छीलने में मदद की ताकि वे उन्हें रात के खाने के लिए उबाल सकें, तो पीले मकई के दाने उसके सामने सोने के सिक्कों की तरह चमक उठे.

खाना खाते समय जुआन ने डोना जोसेफा के बारे में सोचा. उसने सोचा, वो महिला जो खुद को दुनिया की सबसे अमीर इंसान मानती थीं, क्या वो मीलों तक हर बीमार व्यक्ति की देखभाल में अपना समय बरबाद करेगी?

अगले दिन, भोर होते ही दोनों निकल पड़े. जुआन को याद नहीं आया कि उसने आखिरी बार सूर्योदय की सुंदरता कब देखी थी. वो उन पहाड़ों को देखकर अजीब तरह से द्रवित हुआ, जिन्हें सुबह के सूरज की हल्की किरणें रोशन कर रही थीं.

जैसे ही वे तलहटी के पास पहुंचे, उस युवक ने कहा, "मुझे आश्चर्य नहीं है कि आप डोना जोसेफा की तलाश कर रहे हैं. इन पूरे ग्रामीण इलाकों को उनकी सख्त जरूरत है. मैं उन्हें इसलिए लेने गया था क्योंकि मेरी पत्नी को तेज बुखार था. कुछ ही समय में, डोना जोसेफ़ा ने उसे दवाई देकर ठीक कर दिया. और इससे भी अधिक, मेरे दोस्त, वो मेरी पत्नी के लिए एक सोने का सिक्का भी लेकर आई!"

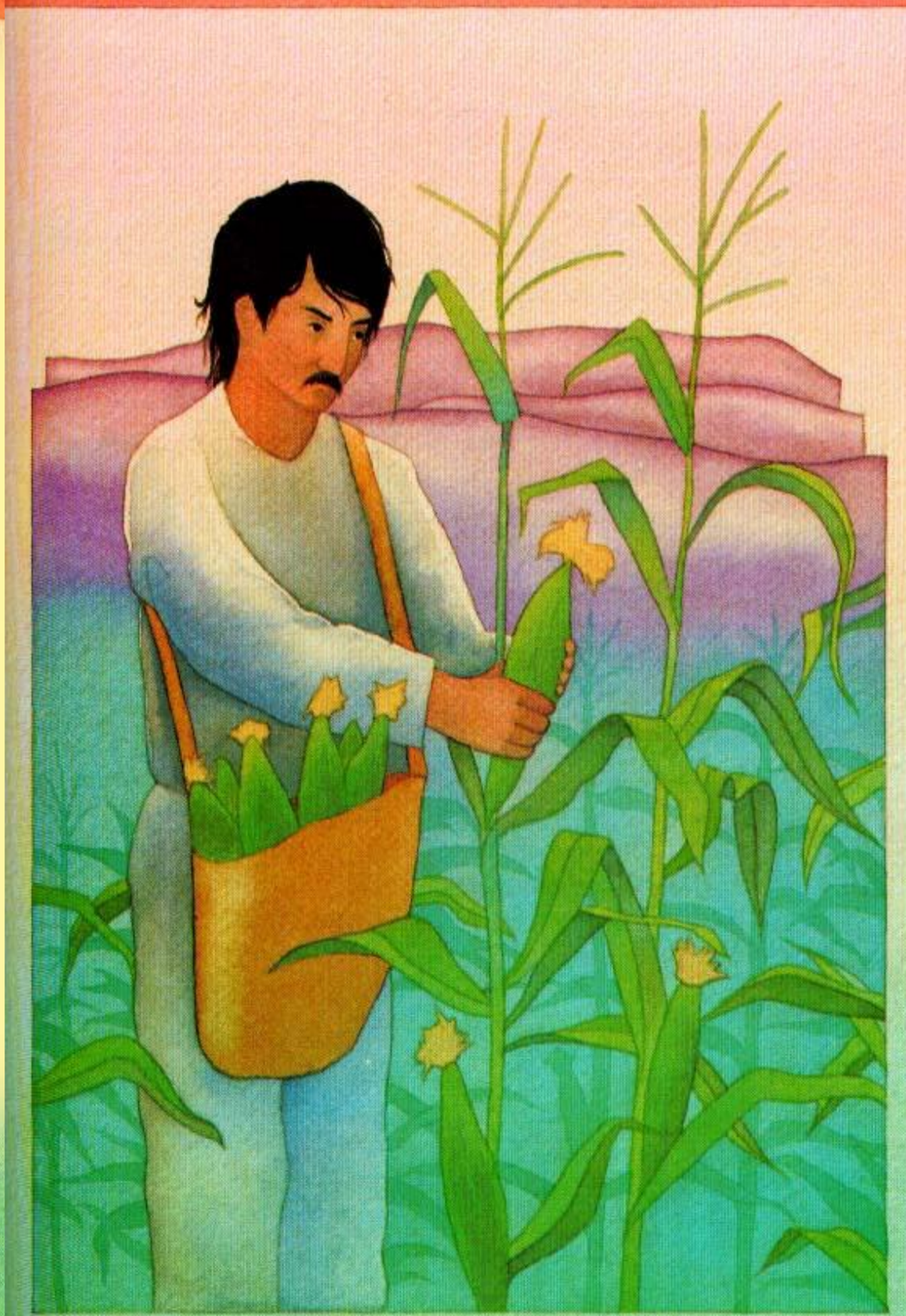

जुआन मन-ही-मन कराह उठा. ज़रा सोचो कि कोई इंसान इतनी आसानी से अपना सोना बांट सकता है! जुआन ने सोचा कि डोना जोसेफ़ा ज़रूर एक अजीब महिला होंगी. वो न केवल, एक के बाद एक करके सभी लोगों की मदद करने को तैयार थीं, बल्कि ऐसा करने के लिए उन्हें दूर-दराज़ के ग्रामीण इलाकों में भटकने में भी कोई आपत्ति नहीं थी!

"ठीक है, मेरे दोस्त," युवक ने अंततः कहा, "यही वो जगह है जहां मैं आपको छोड़ूंगा. लेकिन आपको ज्यादा दूर तक नहीं चलना होगा. वहाँ उस घर को देखें? यह उस आदमी का घर है जिसका पैर टूटा था."

युवक ने अलविदा कहने के लिए अपना हाथ बढ़ाया. जुआन एक पल के लिए उसे घूरता रहा. बहुत लंबे अरसे से चोर ने किसी से हाथ नहीं मिलाया था. धीरे-धीरे उसने अपना हाथ अपने चोगे से बाहर निकाला. जब उसके अपने साथी के हाथ को मजबूती से पकड़ा तो जुआन को अचानक सूरज की किरणों जैसी एक गर्माहट महसूस हुई.

युवक को धन्यवाद देने के बाद जुआन तुरंत सड़क से नीचे भागा. वो अभी भी डोना जोसेफ़ा को पकड़ने के लिए उत्सुक था. जब वो उस घर के पास पहुंचा तो वहां एक महिला और एक बच्चा गाड़ी से उतर रहे थे.

"क्या आपने डोना जोसेफ़ा को देखा है?" जुआन ने पूछा.

महिला ने कहा, "हम अभी-अभी उन्हें डॉन टीओडोसियो के पास छोड़कर आए हैं. डॉन की पत्नी बहुत बीमार है."

"मैं वहां कैसे पहुँच सकता हूँ?" जुआन ने उन्हें बीच में ही टोका. "मुझे उनसे मिलना है."

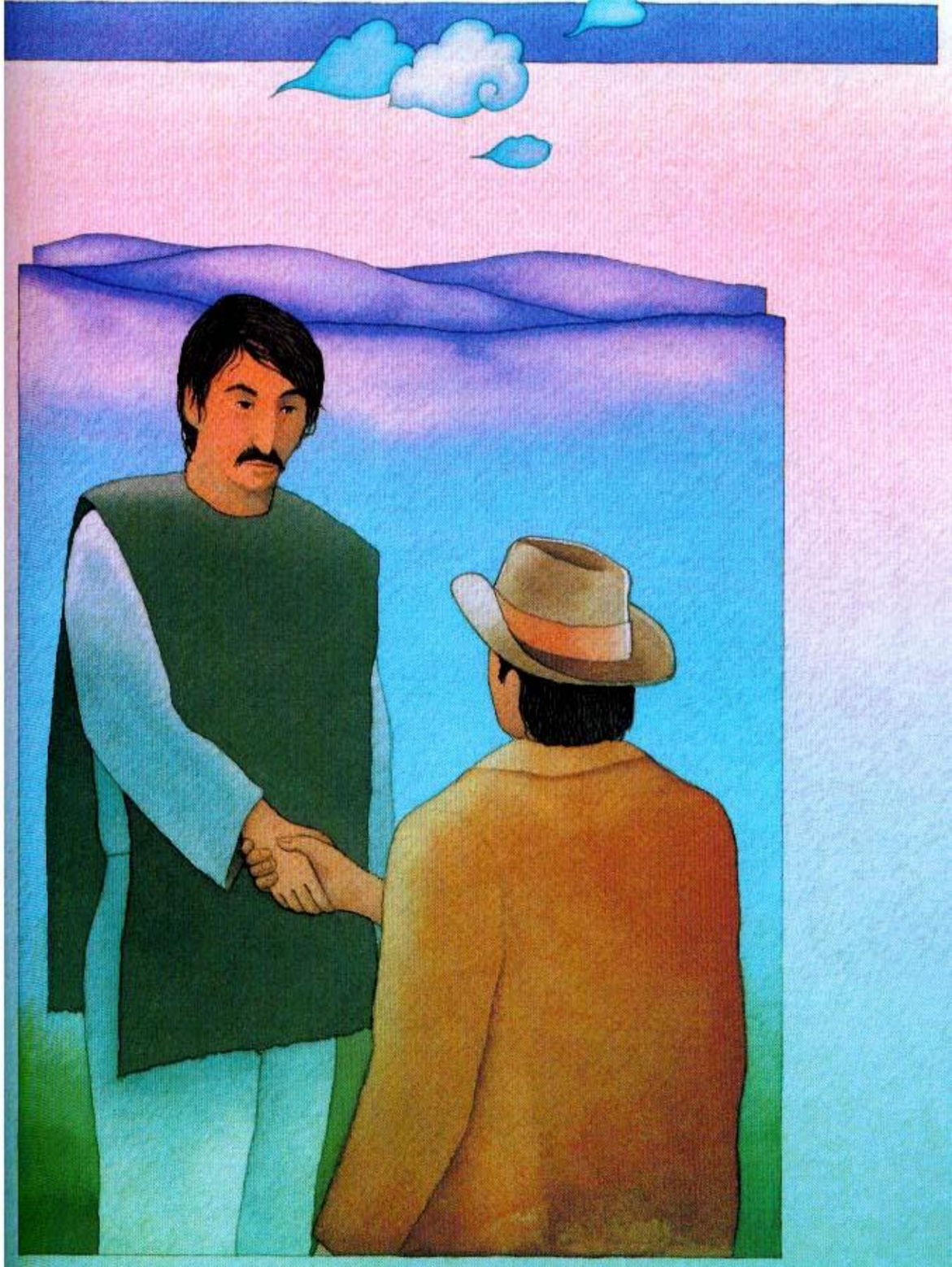

"चलकर जाने के लिए वो जगह बहुत दूर है," महिला ने स्नेहपूर्वक कहा. "अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें कल वहाँ ले चलूँगी. लेकिन उससे पहले मुझे अपने स्क्वैश और बीन्स की फलियाँ इकट्ठी करनी होंगी."

जुआन ने फिर से खेत में एक और लंबा दिन बिताया. गर्मी की धूप में काम करते हुए जुआन ने देखा कि उसकी त्वचा अब काली पड़ने लगी थी. और यद्यपि उसे स्क्वैश तोड़ने के लिए नीचे झुकना पड़ा, उसने पाया कि अब उसका शरीर थोड़ा लचीला हो गया था. साथ में उसकी पीठ भी सीधी होने लगी थी.

बाद में, जब छोटी लड़की गिरे हुए पेड़ के नीचे दबे खरगोशों के परिवार को दिखाने के लिए जुआन का हाथ पकड़कर ले गई, तो जुआन के चेहरे पर एक मुस्कान आई. जुआन को मुस्कुराए हुए काफी समय बीत चुका था.

फिर भी उसके दिमाग में बार-बार सोने के सिक्कों के ही विचार आ रहे थे.

अगले दिन, जुआन और महिला को ले जाने वाली गाड़ी, कॉफी के खेतों से सजी हुई सड़क पर आगे बढ़ी.

महिला ने कहा, "मुझे नहीं पता कि हम डोना जोसेफा के बिना क्या करते. मैंने अपनी बेटी को अपने पड़ोसी के घर भेजा, जो फिर वो अपने घोड़े पर डोना जोसेफा को लेकर आए. उन्होंने मेरे पति का पैर सेट किया और फिर मुझे दर्द को कम करने के लिए एक विशेष चाय बनाना सिखाई."

कोई जवाब न मिलने पर महिला ने आगे कहा. "और, जैसे कि इतना काफी नहीं था, डोना जोसेफा मेरे पति के लिए एक सोने का सिक्का भी लाईं. क्या तुम उसकी कल्पना कर सकते हो?"

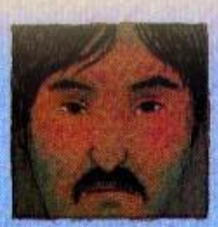

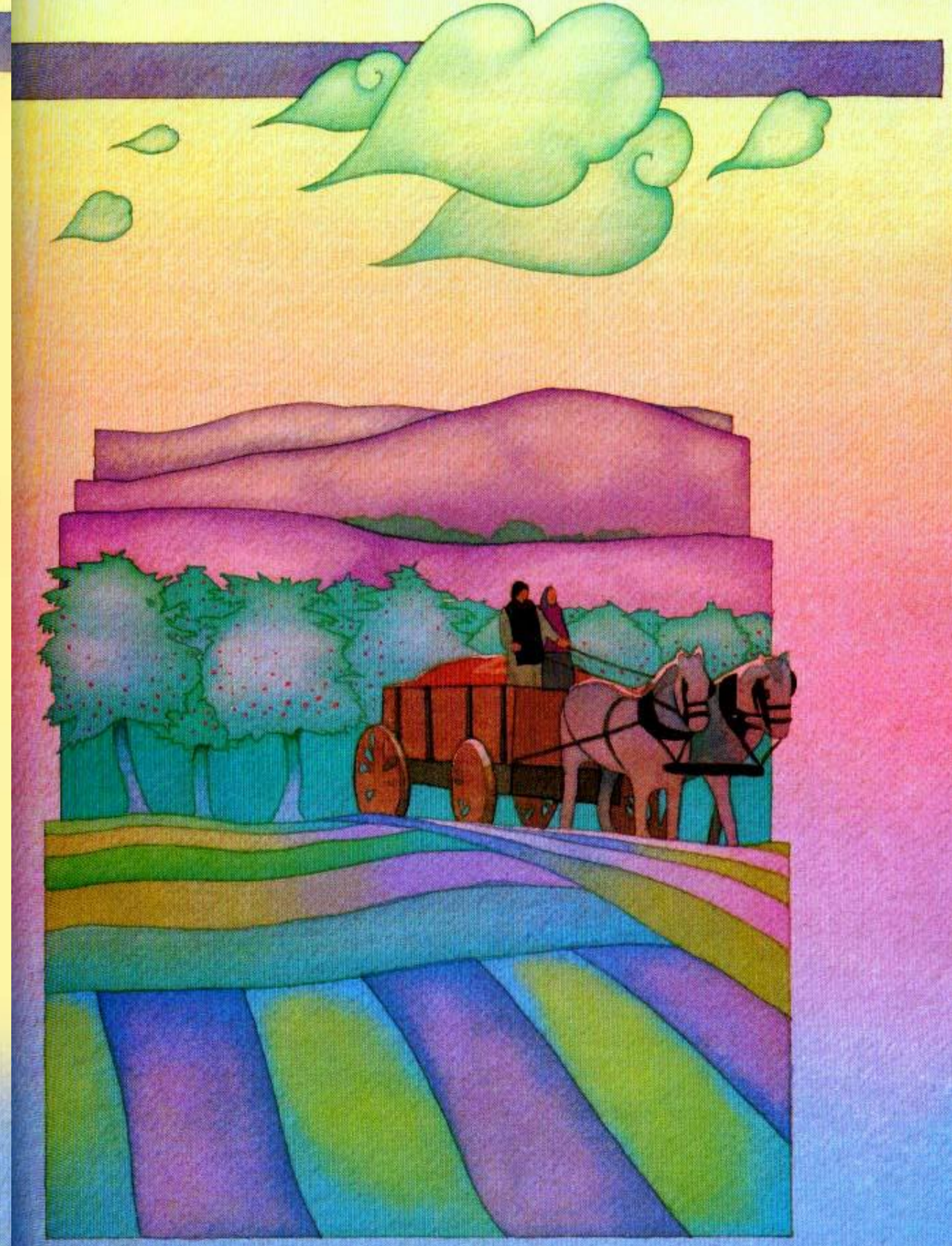

जुआन केवल एक आह ही भर सका. इसमें कोई संदेह नहीं था, उसने सोचा, डोना जोसेफ़ा ज़रूर एक विशेष और नेक इंसान होंगी. लेकिन जुआन को यह समझ में नहीं आ रहा था कि क्या वो इस बात से खुश हो कि डोना जोसेफा के पास इतना सोना था कि वो उसे दिल खोल कर बाँट रही थीं, या फिर वो इस बात से नाराज हो कि उन्होंने पहले ही इतना सोना लुटा दिया था.

पर जब तक वे डॉन टीओडोसियो के घर पहुंचे, तब तक डोना जोसेफ़ा वहां से जा चुकी थीं. लेकिन वहां भी, कुछ ऐसे काम थे जिन्हें करना जरूरी था . . .

जुआन कॉफी की फसल की कटाई में मदद करने के लिए वहाँ रुक गया. जैसे ही उसने लाल फलियां तोड़ीं, वो कुछ-कुछ देर बाद पहाड़ियों के किनारे पंक्ति दर पंक्ति उगे पेड़ों को निहारता रहा. वो कितनी शांतिपूर्ण जगह थी! उसने सोचा.

अगली सुबह, जुआन भोर होते ही उठ गया. भोर की कोमल रोशनी में नहाए पहाड़ देखकर वो मुस्कुराने लगा. जब डॉन टीओडोसियो ने उसे घोड़े पर लिफ्ट देने की पेशकश की, तो जुआन के लिए अलविदा कहना मुश्किल हो गया.

"डोना जोसेफ़ा कितनी अच्छी महिला हैं!" डॉन टीओडोसियो ने कहा, जब वे दोनों पहाड़ी से नीचे गन्ने के खेतों की ओर जा रहे थे. "जैसे ही उन्होंने मेरी पत्नी के बीमारी के बारे में सुना, वो तुरंत अपनी विशेष जड़ी-बूटियाँ लेकर आईं. और जैसे उतना काफी नहीं था, वो मेरी पत्नी के लिए एक सोने का एक सिक्का भी लेकर आईं!"

उस तेज़ गर्मी में, जो अक्सर तूफ़ान आने का संकेत देती है, जुआन ने बस एक आह भरी और अपनी भौंहें पोंछ लीं. फिर वो जोड़ा कई घंटों तक मौन रहकर सवारी करता रहा.

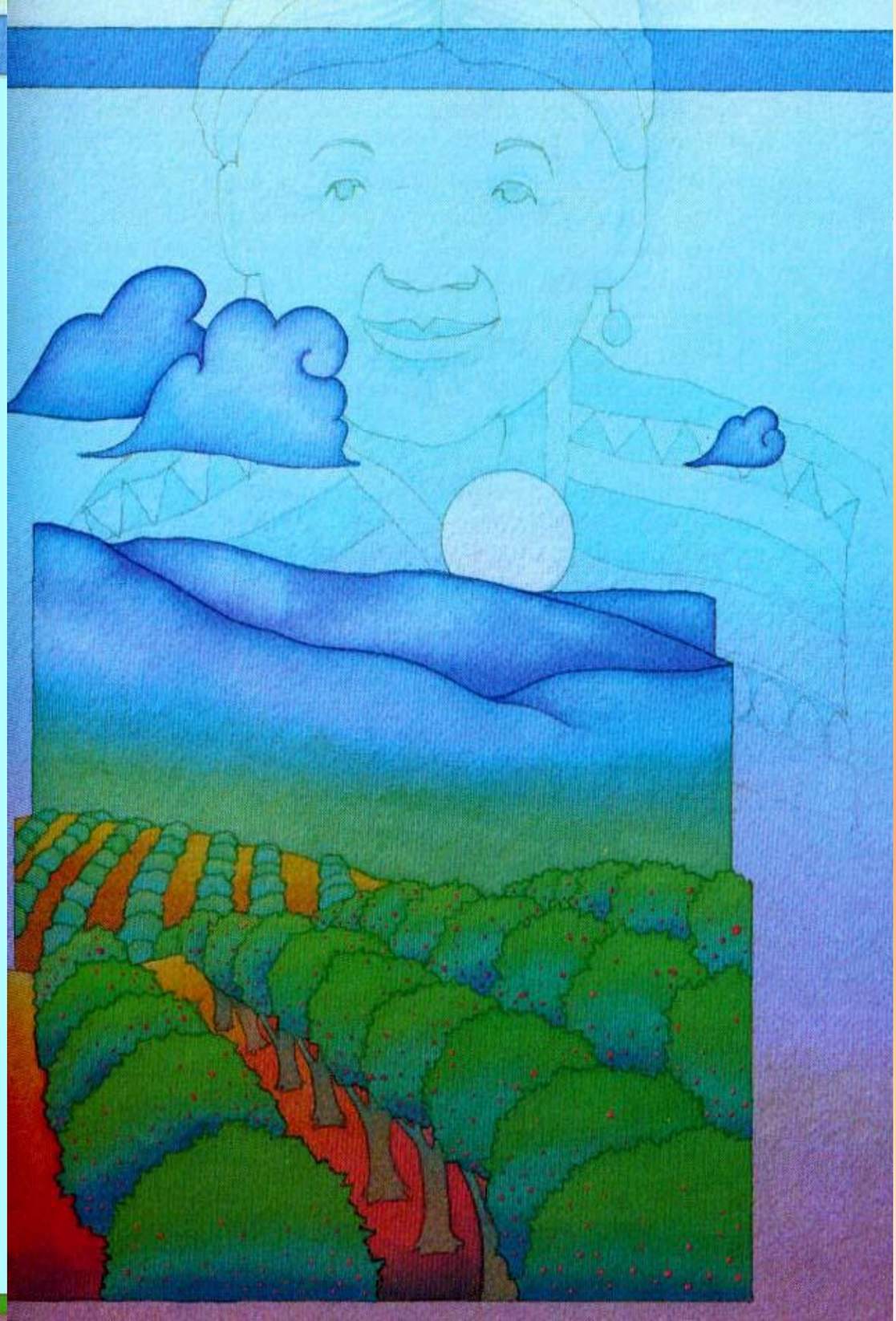

फिर जुआन को एहसास हुआ कि वो अपने परिचित क्षेत्र में वापस पहुँच गया था, क्योंकि अब वे सड़क के उस हिस्से पर थे जिस पर जुआन ने पिछले हफ्ते ही यात्रा की थी - हालाँकि अब उसे यह सफर बहुत लंबा लग रहा था. फिर जुआन, डॉन टीओडोसियो के घोड़े से कूद पड़ा और पैदल दौड़ने लगा.

इस बार सोना उससे नहीं बच पाएगा! लेकिन उसे जल्दी से आगे बढ़ना था, ताकि तूफान शुरू होने से पहले उसे कहीं आश्रय मिल सके.

हांफते हुए जुआन आखिरकार डोना जोसेफा की झोपड़ी तक पहुंचा. वो अपने दरवाजे के पास ही खड़ी थीं और टूटे हुए घर का निरीक्षण करते हुए धीरे-धीरे अपना सिर हिला रही थीं.

"तो आख़िरकार मैं आपसे मुलाकात हो ही गई!" जुआन चिल्लाया. उसने बुढ़िया को चौंका दिया. फिर जुआन ने पूछा, "वो सोना कहाँ है?"

"सोने का सिक्का?" डोना जोसेफा ने आश्चर्यचकित होते हुए और जुआन को ध्यान से देखते हुए कहा. "क्या तुम यहाँ सोने के सिक्के के लिए आए हो? मैं उस सिक्के को किसी ऐसे व्यक्ति को देने की बहुत कोशिश की जिसे उसकी सख्त ज़रुरत हो," डोना जोसेफा ने कहा. "मैंने पहले वो सोने का सिक्का एक बूढ़े आदमी को दिया जो तभी एक बुरी बीमारी से उबरा था. फिर एक युवा महिला को दिया, जिसे बुखार था. फिर एक टूटे पैर वाले आदमी को. और अंत में, डॉन टीओडोसियो की पत्नी को. लेकिन उनमें से किसी ने भी उस सोने के सिक्के को स्वीकार नहीं किया. उन सभी ने कहा, "इसे अपने पास ही रखें और उसे किसी ऐसे व्यक्ति को दें जिसे उसकी हमसे अधिक जरूरत हो."

जुआन ने एक शब्द भी नहीं कहा.

डोना जोसेफ़ा ने कहा, "शायद तुम्हें इसकी ज़्यादा ज़रूरत हो."

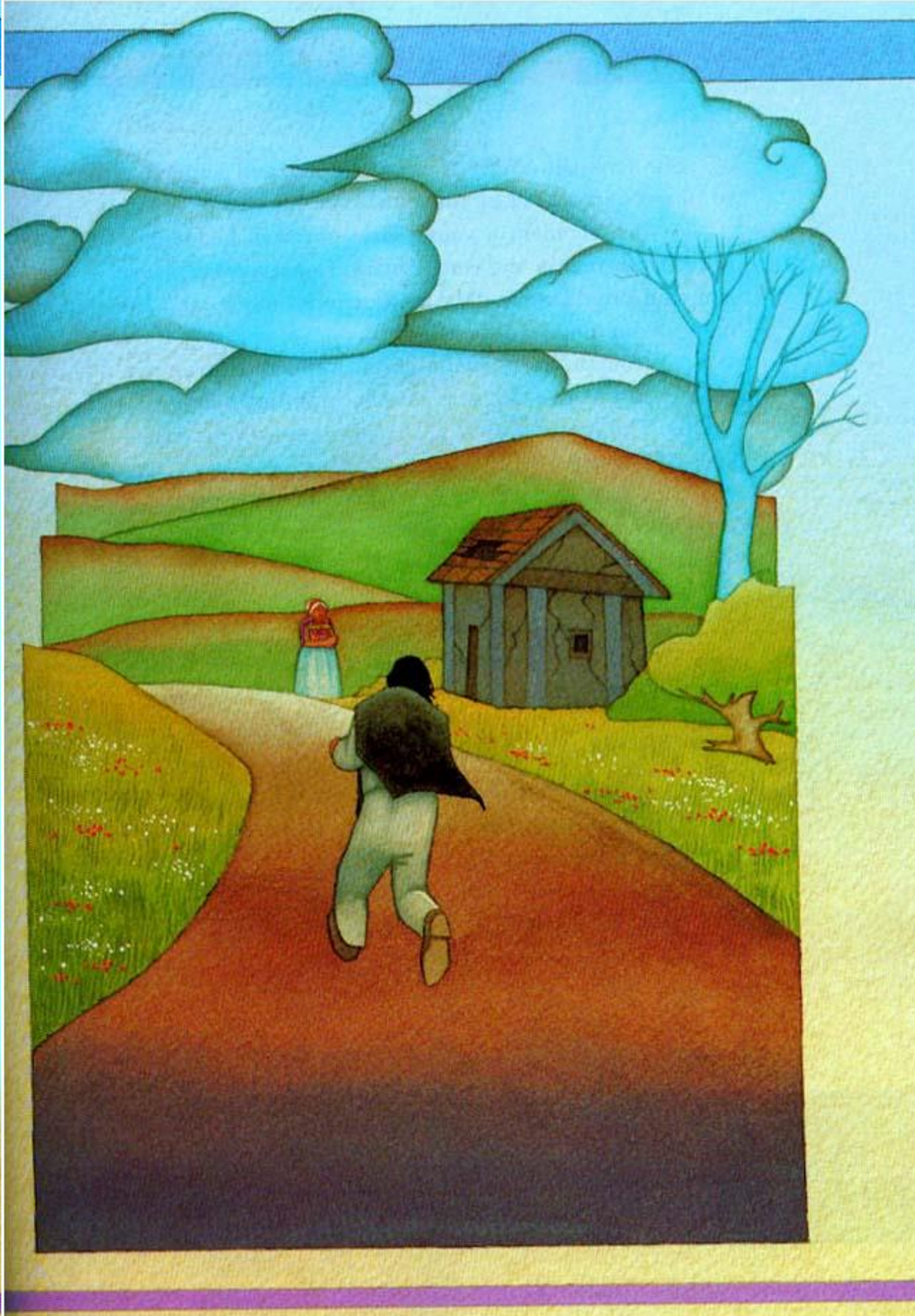

फिर बुढ़िया ने अपनी जेब से सिक्का निकाला और उसे जुआन को दे दिया. जुआन अवाक होकर सिक्के को देखता रहा.

उसी समय एक युवा लड़की दिखाई दी. दौड़ते समय उसकी लंबी चोटी उछल रही थी. "कृपया जल्दी करो, डोना जोसेफा!" उसने हाँफते हुए कहा. "मेरी माँ बिल्कुल अकेली हैं, और नया बच्चा किसी भी समय पैदा होने वाला है."

"बेशक, प्रिय," डोना जोसेफ़ा ने उत्तर दिया. लेकिन जैसे ही उन्होंने आसमान की ओर देखा, उन्हें काले डरावने बादलों के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दिया. तूफान बस आने ही वाला था. डोना जोसेफ़ा ने एक गहरी आह भरी.

"लेकिन अब मैं भला कैसे जा सकती हूँ? ज़रा मेरे घर को देखो! पता नहीं छत कैसे टूट गई है. और यह तूफ़ान मेरे घर को पूरी तरह से तहस-नहस कर देगा!"

यह कहते समय उनकी आवाज में एक गहरी उदासी थी.

जुआन ने बच्चे की भयभीत आँखें, डोना जोसेफ़ा का उदास, व्यथित चेहरा और टूटी हुई झोपड़ी को ध्यान से देखा.

"आप जाएं, डोना जोसेफ़ा," जुआन ने कहा. "आप अपने घर की चिंता न करें. मैं आपकी छत वापस ठीक कर दूंगा और उसे बिल्कुल नया बना दूंगा."

डोना जोसेफ़ा ने कृतज्ञतापूर्वक सिर हिलाया, अपना लबादा अपने कंधों पर डाला और फिर उन्होंने लड़की का हाथ पकड़ लिया. जैसे ही वो जाने के लिए मुड़ीं, जुआन ने अपना हाथ आगे बढ़ाया.

"यह रख लें," उसने बुढ़िया को सोने का सिक्का देते हुए कहा. "मुझे यकीन है कि नवजात शिशु को इसकी मुझसे ज़्यादा ज़रूरत होगी."

अंत